[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

रफचपप्लिकमा ॥ पुरुसंक्रामदगीङ्गीडए
गनेपवीतिवीमा ॥ ठवानीकलमंदरवड्म
हुविद्धषिडमू ॥ लगाक्लितिकंगीवूमविष्ठ
मह्रषिठि:षरे: ॥ मुउंउंपरामस्वींनीभृदंवि
ष्णुदगिल्लीमा ॥ नमिठवाहै ॥ तिकैंलामसिप
गसृद्रवद्रवंमदेस्त्रामा ॥ हृनिपरामामीरंथ

ठ· मं· ३

मत्रभावपङ्कलाभा॥ भुजाभ्यगमिरोग्द्राज्ञिडाज्ञि
यगांभ्रुडमा॥ भू~ मृमिरभावस्त्रीवहुमृलिग
ठषत॥ श्रीनरसिं [illegible]॥ देवदेवलागाज्ञा
षमंमयेभ्रिमदग्धम॥ रदमृमेकमिष्कमिधू
धूंसंठजवमलभा॥ देवमायाभ्रुयाकमृः मे
डमेडद्विवातिममा॥ पश्रुडविरांजनाषवडः कि

भपाः पाः ॥ उच्छिष्ट सुमुख ... वैरञ्चिकेरल
गजेन्द्रः ॥ धिवाम कलाकारकैविकमत्रेद्य पक्ष
लः ॥ श्रीकालिकावर्णनम् ॥ मायुमा यगा ... मेधु
ष्टधुवानमिभं सयम ॥ भुक्त भापिमयद्रिध्वं
रदधंकवयाभिउउ ॥ भयाकलक्षयिलिक
भिभक्तुक्रुस्थसेउरः ॥ गु ... द्वयमयीमकिड

सभरतिमंक्लिडग॥ उह्रामदंसमसस्रवभह्रैसं
मनदमिठिः॥ मेउवेतिउउः शक्तिः संकप्रालि
नगमकधी॥ देउः मकल्दएलहमवेतिक्षुयि
नीश्ठद॥ उक्रै रिपगभस्मक्तिमध्रिमीलउउःप
रभा॥ उवेवागितिविन्नाग्रगमक्तिः मन्त्रमयीप
ग॥ प्रोपमगमीलगग्रमक्ग्वेमभागगमभक्षुगी॥

वाह्वीमवेष्टवीगेह्मीकेमागीयावडीमिव ||
सिद्धिप्रवद्धिप्रमान्तामचमञ्चलप्रयोगिनी || ॐ
यैरद्रस्टेवविद्यमकाकांढाकाद्र || ॐयैॐप्रट
ॐमवंॐह्मामेवपूलीयरे || पविञ्पू ञ्ञ्ञ
मचढवविविङ्खिरेः || ञ्चाविञ्मुञ्मेवमच
सिद्धिप्रप्रयोगिनी || ॐह्मायञगदमैवञमेवञ

[illegible]

गी. अ. ५

क्रियते मयि ॥ तेषां भवति मे पर्णं द्रष्टुं यत्त्वं
यपि ॥ मे तु भिक्षु पुर्वदेवं भूत्वा मयि मा भूत ३ ॥

श्रीभगवानुवाच ॥ मत्त्वं यक्षिम दृष्टा भुवनाल
यिमं तु कर्मा ॥ भज मे ग्राम भक्ति विद्वैः सिद्धिर्मयं
मामेवत्मनो ॥ त्वमिति भूत दत्त्वय पण्डितं हे
ममादिदः ॥ हिके त्वं मद्भूयाय क्षेत्राः परदं

म्भवः ॥ ॥ अथ श्रीभगवतीभवानीनामसह
स्र ॥ स्तवराजस्य ॥ श्रीभगवान्महादेवऋषिः
॥ ह्रीं शक्तिः ॥ भगवतीभवानीदेवता ॥ अनुष्टु
प्छन्दः ॥ श्रीदेवीप्रीत्यर्थं ॥ सकलकामसिद्ध्य
र्थं ॥ भवानीनामसहस्रस्तवराजपाठे विनियोगः
॥ ॥ अथ ध्यानम् ॥ अर्कानलाक्षिमलकां...

शिवप्रिया ॥ विष्णुमायाम्बुजस्थात्री शिवदूती शिव
भाग्यश्री ॥ जगत्कर्त्रि: प्रकृतिर्ब्रह्म[illegible]
मङ्गला ॥ पिङ्गलाम्बिका[illegible]पद्मलक्ष्मीद
नप्रिया ॥ त्रिपुरसुन्दरी[illegible]
॥ यन्त्रविष्णुमनमायावेदमातृप्रणवाक्षि: ॥
श्रीविद्याश्रीमातृमनकुमारी विश्वकामिनी ॥

ह. भ. ७

सिद्धविद्यामनमलिः प्रश्रीनाथमेवि ॥ धर्म
ज्ञप्रियाकप्रकमिनीपद्मलेखा ॥ धूह्वमि
नीमनभाग्यहज्जाद्रत्तरिना स्वामिनी ॥ दुर्लभाप्यी
मगीश्मल्लिहि: ज्ञमसन्नस्वामिनी ॥ मजभाग्नहल्
दविहूसुजरि: धरवा स्वामिनी ॥ वपल्गुमाधुरी
भाग्यमसिरामदुहन स्वामिनी ॥ ज्ञलवागीश्वरी

सिहसिहक्षित्रागतमेपगी ॥ कूमेस्तगीपगीनामट
हीमकरवक्रिवामिगी ॥ लम्रगीमदकली
विहविहृस्तगीउघ ॥ वगीस्तगीपमहपमच
भेकहवविगी ॥ भाकछ्रिन्नीवागमिंदीवेंखुव
पमदेपगी ॥ कृहयगीपपम्दपमचमम्दउ
कतिन्नी ॥ वागयन्नीमदविहूयिगातिडपुट

वशी || भद्रपात्मित्रप्रभुद्रारम्भश्रमशीमत्र || श्री
रात्रुवभ्रपादराकलिकमिंदवादरा || त्रिकर
वभ्रपाकरात्रिउराकेपरात्रि: || भवतिभ्रवर
वीरविभ्रभाउकलावशी || पद्मवशीभवभ्रमय
वद्भमभरभ्रशी || श्रीभ्रमरात्याद्भुशीवद्भमाउ
लीनोर्वशी || लीनमाउलीनेभ्रममाराददेम

६.
म.
३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

केश्वरी ज्वालामुखी के मा गी उत्तकामिनी ॥ उत्कठग
वसीमक्लिक्कमवेन्‍ःरुपावसी ॥ वहूयपावऌ
दम्भामस्वीमऽपाऽभा ॥ गौरीभवऌवऌ
मम्भिक्षिमंदरकालिनी ॥ एकवेकमदेहम
मावामह्मदवद्धव ॥ दलरुकधऽक्षधूधऋ
रुरूमकामिनी ॥ धद्दरूठोमिनीस्वामाकय९

ऋकयवल्लिड ॥ अम्बिदाम्बुभापीवाभाम्रलभ
दशिसोभुगी ॥ घृतमवकवरूमपमधाजपूवि
गी ॥ रङ्गीताभिडघूभाहुपीडमकङ्ग ॥
शवामक्षुणाणवडुडरलीकमटलया ॥ कल
कक्षुभमङमतिमिधाकालक्रपिणी ॥ धकरूर
मरारमामदहभूदवगीरमा ॥ गाडुधियाभगो

ठुमभम्दत्वामभवेगात्रिः ॥ मगाराक्षिम्गाग
कीमकङ्गरभेमद्दाराल्ली ॥ पद्मयोनिः मकेमी
मभलिङ्गकगाकपिल्ली ॥ यिविमद्रमदमद्रा
विमगीविगागामिनी ॥ भपम्मीद्मपवीवह्नीम
पमरुभत्रिद्रुता ॥ भारुक्षीत्रकदभ्रामपध्यव
ल्दमामापिल्ली ॥ रक्षभ्राणगाक्षीवाग्रक्षपध्या

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

गधीरधानमदिक्कुए ॥ कभलावभगागमलाया
माकभ्रुगीमिव ॥ विलायामलयश्रीयभ्रुमि-
नीमद्गरामिरी ॥ पञ्चवश्रीवेदमगिवारदवर
वागिन्मी ॥ मीउलामभमीलामगालरूदवि-
रामिरी ॥ ऊभागीमभपवामकभाएकम
वम्रिउ ॥ एलङ्कुवरमञाकमऊपतिवामि-

६· भ· ९३

नी॥ कमलनीलवर्णमहाभुजमहेश्वरपराय नमः॥ श्रु
लमालभ्रिङ्गप्रज्ञाप्रज्ञावल्लभपूर्वविनी॥ पद्मि नमः
मद्रिके नमः शिवप्रज्ञाशिवप्रभञ्जनी॥ ब्रह्मपुत्र्याव
षाढ्यप्रभद्विषाभरण्याशिनी॥ भस्मप्रदपदगा
दाभुजामीभुपावकभविकल॥ कपालकुण्ड नमः क
लीकपालभालगणोनी॥ कपालकुण्डलाभी

अशिवत्रीध्यनभवति: || भिद्भिनवद्भिनविङ
मद्भानभूरेविवी || कभूवीवानभमडीक्षङ्क
यान्द्भलया || लागाक्षडञन लिवीडलाङ्क
रमायिवी || भूहुमद्धभुपक्ष्मनाठिालम—
लिवी || भ्रलापागविराकरावफ्रिजनडन्डलय
|| वायुञन भापाभीनविरपागविरमृया || स्व

𑆩𑆼𑆰𑇀𑆜𑆩𑆓𑆳𑆠𑇀𑆫𑆴𑆠𑇀𑆮𑆵𑆮𑆳𑆓𑇀𑆫𑆸𑆢𑆴𑆓𑇀𑆓𑆵𑆮𑆑𑇀𑆰𑆴𑆩𑆁𑆱𑆸𑆥𑆳 𑇆 𑆮𑆲𑇀𑆤𑆵𑆠
𑆠𑆶𑆩𑆨𑆑𑇀𑆠𑆮𑆳𑆣𑆮𑆸𑆩𑆳𑆨𑇀𑆪𑆳𑆢𑆠𑇀𑆮𑆼𑆤𑇀𑆪𑆥𑆳 𑇆 𑆠𑆥𑆱𑇀𑆮𑆴𑆤𑆵𑆠𑆥𑆱𑇀𑆮𑆴
𑆤𑆴𑆱𑇀𑆡𑆥𑆩𑆂𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆬𑆮𑆴𑆤𑆵 𑇆 𑆠𑆥𑆼𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆷𑆠𑆥𑆼𑆪𑆑𑇀𑆠𑆳𑆠𑆥𑆩𑆠𑆴
𑆩𑆠𑆥𑆂𑆯𑇀𑆫𑆴𑆪𑆳 𑇆 𑆃𑆰𑇀𑆜𑆮𑆳𑆠𑆩𑆪𑆵𑆯𑇀𑆫𑆠𑆴𑆩𑇀𑆱𑆷𑆥𑆳𑆢𑆮𑆠𑆳
𑆱𑆸𑆪𑆳 𑇆 𑆢𑆼𑆢𑆥𑆱𑇀𑆰𑆴𑆩𑆠𑆳𑆱𑇀𑆰𑆴𑆫𑆮𑆥𑆱𑇀𑆰𑆴𑆠𑆬𑆼𑆢𑆠𑆳 𑇆 𑆥𑆣
𑆥𑆴𑆮𑆽𑆲𑆩𑆳𑆠𑆳𑆩𑆢𑆲𑆩𑆑𑇀𑆰𑆴𑆥𑆜𑆮𑆝𑆵 𑇆 𑆮𑆽𑆲 𑆮𑆽𑆲𑆱𑇀𑆩𑆴 𑇅

किछ्मग्रमपछ्योगाराणिमी ॥ भगायाभगाभंभा
रभगाबरछगालेमरा ॥ वाउरारउरुपामवप
छपावपिडुरु ॥ वमीवझिमुउकाकराउवि
भमिमी ॥ मकुलापलदविहूमरुवउवि
भिदिनी ॥ वभिकभालिकमाभ्राभ्रकाभाव
ताराझिड ॥ किलिकीजलविहूमभजलाउ

त्यक्लिन्ना । कलमरुहमित्रज्ञविहमाहमनाश्वि
नी ॥ वह्निलीमेयमालासमेवभ्रुस्मेश्ववविनी
भकमासङकमासउकाँकाद्यपिन्नी ॥ ह्रींकरी
नीलकुपासह्रौंकासभुरवासिनी ॥ मवादाउम
यीशत्रिरदारावल्मालिनी ॥ मिद्रारद्वल्वलु
माभिद्रासिलकध्रिया ॥ वह्निसवसुनीलमा ८

ह. भ.
१२

लोकवल्लभविनविरी ॥ रूपवल्लभारूपैः मैत्र्यारूप
वल्लकगीप्रिया ॥ मन्दिषी रूपमात्रामत्रमात्रा
रूपरश्मिनी ॥ रूपपद्ममयी वल्लापरपारविवति
नी ॥ मन्दवल्लभमयीप्रतिष्ठानन्दवल्लैष्ठपुण्यिनि ॥
मन्दपद्ममयी सिद्धिष्ठानन्दरागभवामिनी ॥ क्षा
मानीगद्दियावैष्णाप्रक्षमाववल्लभ ॥ वैष्ण

ग:
म:
७४

भानागायह्रुवेदविस्रविठविरी ॥ श्रुभुमभुभयी
विह्रवामभुभुनातिन्नी ॥ भुमिकामहृमेनाम
ह्हकह्रूपनालिङ ॥ नायह्रीमह्रुडि:महुभा॰
विरीडिपमह्रया ॥ डिमहुडिपह्रीपाडीमप॰
वाभाभगायना ॥ पाह्रुलीवालिकवालावा॰
लह्रीहमराउरी ॥ नाठपानपानह्रुह्रानाठमय

शिवाभिमानी ॥ भगाधियादिनीद ह्रप्रउनमाद्विल
उमा ॥ लक्ष्मवडीनरूठवानीपापनाभिमानी ॥
पहश्रावनागीद्विस्फागीद्विह्लनलिमना ॥ मधुस
रमधीउश्रीषड्भमहरभम्ज्वड ॥ भ्रकनगूममं
ह्मगमश्रसह्मकरवाभिमानी ॥ पहहुदभिनीशी
रपूरमनशिवाभिमानी ॥ गीउरउभ्रियाकमाउ

क्षिन्नपक्षिप्रसन्नया ॥ विष्णुभद्रप्रियापूर्णलेकः
मीमधीरजमा ॥ भविधाङ्गलितीङ्गला विधमे
तिलामित्री ॥ विधातिज्ञातामभतीजनजहाम्य
उ[illegible] ॥ ह्रुउतीविदतीरताक्रुउवेमविनामित्री
॥ रवि श्रीरामभीमरिश्रीम्रविष्णुदिव्यागतिः ॥
यमिकमम्रूकतिद्विभ्रदकातिद्विमायगो ॥ ७८

क. भ. १०

किनोमा किनोमिथ्याद किनोमह्त्वा किनो ॥ मि
त्रमित्रपुत्राश्चाङ्गभकलावनमेवत ॥ गुरुकु
पवागुवीमदहमागीविमागम ॥ भदमागीवि
विद्यामतज्ञामदज्ञविनामिनो ॥ ममम्भम्दलमकं
मामम्भमदलवामिनो ॥ वर्लिमामिगुरुपड
भमदकमक्रपिनी ॥ वध्रुमिद्धिमशषाखद

सुद्रनवध्याद्रिमी ॥ वनाद्विनिदनाधुष्ठि स्नउडाफः
स्नउद्वापी ॥ मउभ्दमडुमयनामउवनठलधु
फ ॥ कमयध्दधुठीकमामगडुमदल्लेमना ॥ कु
उठह्ताठविध्वायमैललमैलुवाभियो ॥ वाभभा
गउवाभा मिववाभाङुवाभिनी ॥ वाभामानथि
याउछ्रिदेपाभडधुरोपिनी ॥ ङुउद्रपनभाद्रम

ङ॰
भ॰
ग

ज्ञानवविष्टविरी ॥ भक्तप्रियमीतासपरमा-
रूपधिपिक ॥ सर्वसिद्धिप्रदायिनी प्रधानसर्वसिद्धि-
नी प्रिया ॥ योगिनी योगयुक्तस्य योगाङ्गस्थम-
लिनी ॥ योगपद्धतिभक्तभक्तांपरमागतिः ॥
नामभिन्नाभेदास्मातृत्ववर्जितलसद्योगी ॥ पर-
मपदार्थैकैकमस्मैस्मस्थितिः ॥ मालिनी

ह. म. ४

शा॰ यमदका यदकाए केतिहृपिन्नी ॥ ऋउः कर्ह
यीश्चक्षु श्चक्षुद्यमकविश्रुया ॥ भदृग्रा भा व
दिभ्रू यकव्हमक्रिःकविद्भय ॥ भेताघुह्री भऊो
माग भैताकदगिीद्रुद्रिग ॥ भैायभिवीभयमा
यभुताभा ताभमालिरी ॥ भैाछह्रुय यिवीह्रि
ह्वभकगाहृडिववितिरी ॥ ह्मीतड्डिः वमताभेव

कङ्काली कलिका मित्री ॥ रक्ता नीला विपिङ्गला
धूम्रा लीला भद्राः ॥ लोलाक्षी वालालोला
गायत्री देवी ॥ मातृका कमलाक्षी मा
कालिका कला ॥ यक्षेश्वरी मालिनी
नित्या विद्या ॥ सिद्धिनी सिद्धमाता
रुद्रेश्वरी ॥ मातृमण्डलमातामहे

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] भैरवी ॥ भद्र[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ कराला विक-

राला [illegible] ॥ [illegible]

𑆱𑆮𑆠𑇀𑆠𑆶𑆑𑆠𑇀𑆩𑆨𑆳𑆢𑆶 𑇆 𑆑𑆫𑆣𑆓𑆵𑆥𑆍𑆨𑆳𑆱
𑆑𑆱𑇀𑆩𑆵𑆫𑆘𑆑𑇀𑆑𑆩𑆣𑆶𑆪𑆳 𑇆 𑆢𑆴𑆠𑆫𑆱𑆩𑆮𑆬𑇀𑆬𑆱
𑆓𑆴𑆠𑆫𑆱𑆩𑆮𑆬𑇀𑆬𑆱 𑇆 𑆨𑆳𑆠𑇀𑆑𑆵𑆮𑆓𑆵𑆢𑆩𑆠𑆩𑆁
𑆠𑆑𑆓𑆳𑆨𑆴𑆫𑆵 𑇆 𑆢𑆁𑆨𑆳𑆢𑆁𑆩𑆓𑆳𑆠𑆴𑆢𑆁𑆨𑆵𑆢𑆁𑆨𑆵𑆑𑇀𑆱𑆶
𑆬𑆱𑇀𑆩𑆴𑆫𑆱𑆢 𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆬𑆱𑆩𑆶𑆨𑆳𑆥𑆵𑆣𑆨𑆳𑆱𑇀𑆩𑆴𑆝𑆴
𑆩𑆶𑆨𑆘𑆢𑆬𑆳 𑇆 𑆨𑆣𑆵𑆱𑆬𑆾𑆥𑆳𑆩𑆵𑆬𑆾𑆥𑆳𑆨𑆬𑆾𑆥𑆳

ग.
भ.
३.

लोफकधुया॥ मध्विीमद्धदभुमलालभु
लालझवडा॥ ऊमदोइवतिकमीमषराका
झुवतिक॥ पयिहाड्डतिकमायाडीजुडीजक
गधुया॥ डिपधुरापमेयामकिमभ्रुकेमवा
मिनी॥ किमिकीउऊमावडकिमाभ्रीकेमव
विनी॥ किमदपभ्रकेमापीऊभमाऊभम

ह॰
भ॰
३०

मद्भिषक्त्र˜इयवित्तविती ॥ चष्टृताहृऊरूपा
मवेमविहृममाभ्रुवी ॥ मङ्गाकल्दितीकल्प
मनःमकल्पमउिः ॥ मचलिकमयीमाक्रिम्भव
मव˜गोमग ॥ मवह्रवबडीवाङ्मवउङ्कवेवे
पिवी ॥ एगुडीमभषपिष्ठ्वपावभ्रुउगीयक
॥ वरामङ्गउिमहृमामिरभिमदपाति˜ ॥ पाव

क्रमिः पापपाइपापम्रकवेहरु ॥ वषुल्न
—वेइमाकिछ्विमहजठषिल्ली ॥ उमापुराम
मीजममजूमीकिउपुलिउ ॥ रगवहीगग
कहिकिगिरीकिगवहलठ ॥ मचमंभूमयीविह
मम्मदिवमवामिरी ॥ मूडिः मूडिवगन्छुमु
धुपापुलवकामिरी ॥ मीमंमाउकविहमभठ

६. म. ३३

क्रिंक्रयघ्मला ॥ भगाठि दउगालि गभ्ठीगछ
वबलिग ॥ नगपामवगम्र्विशगावागाक्रुं
ला ॥ भमहूमहूमहभ्गामह्रकि… निवामिनी ॥
मवमहूमयौविहूमचमहूदगवलिः ॥ मर
वभूवाभूवज्ञीमहुमगोहुमगलक ॥ भाह्रम
हलमहभ्गाभाह्रमहलवामिनी ॥ क्रमागला

ममीरुराभभापीङराराभिमी॥ वुडीउविहमा
रामठविमीधुीउिभरुगी॥ भवभाएवडीयर
उिरजरपरिरुभिमी॥ विपारंपरुरारांठ
वभाराररुरिमी॥ परुराममगूदवडीविगूर
गूदवलिड॥ गिदिणीडुभिगाठमकलरुं
कलवाडिमी॥ कलरुगदिडारागीमउधरुठि

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पुरस्थऋमी ॥ चरागामिवउद्धसकभाइद्धउरागि
नी ॥ धूप्रश्रवाम्रीधूडीम्रीमित्रम्रीम्रीमिश्रिमिश्रि
मः ॥ चदद्रुत्रिरदक्षरावलिभायावलिधुय
॥ ध्रक्रुत्वाभामिठेनीमभमहुम्राहुष्टवड ॥ १
माडभाइभनीऋभिपिऋभाडापिडमनी ॥ भ्व
धाकि दिऋल्नीपीडीपर्यीनश्रीसिन्नधुया ॥ भु

ठ. भ. ३२

रद्रभ्रमरभ्रमरप्रविश्वयोनिः भ्रमरद्युती ॥ मित्रकुम
रुणांमिलालमिलाङ्गीकठिरङ्गिनी ॥ उचमीकम
लीकैकविभ्रिपापभ्रितिपरतिरी ॥ पिङ्गलाति
नीपिङ्गलाम्पिङ्गलवतिरी ॥ लक्ष्मीभिका
लक्ष्मलक्ष्मीमञ्जुलकलकनत्र ॥ वतिरीभपपवासा
रपतिपापमापतिच्छतिः ॥ भ्रकारवलयावेल्ल

भट्टस्मभदिमष्पि: ॥ पिषिर्न्नीमिषिर्न्नीमजि
ग्रीऊ्रकेमीभलेभमा ॥ ललिङभांभला ३८
ज्ञीवेमवेस्ळ्कत्रिर्न्नी ॥ रत्मरुत्रमङमर
रभङ्क्ष्मिङ्कुषत्र ॥ ष्कसीमसङि:मागीम
रिकमसुकत्रषिर्न्नी ॥ माष्ठगीगाव्नीविष्ट८
वाम्रनीवमत्र ग्नि ङा ॥ वाग्नीङभ्गदमुगाम।

ह. भ. ३५

दंष्ट्राचभयङ्करा ॥ भीरुण्डिपरामुण्डवरदंष्ट्र-
त्रिभामयी ॥ त्रयक्षिविष्टपापहमालिनामहे
मिलंबनि: ॥ भद्रि: संस्तुङ्गपापहमसंस्तु
गमसंस्तुत्रि: ॥ भूरुङ्गमहोधामहागावागी
त्रि: भूचलिक ॥ उन्मत्तपिङ्गलापिङ्गमथस्तु
भद्रवादिनी ॥ महिमद्भवामहल्लभाकाकिनी

सप्तलोकीविवरी || सर्वरूपा ब्रह्मरूपा लक्ष्मरूपा

गुरुरूपिका || रूपा वरालङ्कारा देवी रुद्रकमल-

लक्षरूपा || विश्वयाप्तिरूपा निर्विमेघालोक-

प्रिया || विश्वरूपा निर्मलरूपा पंचब्रह्मस्वरूपिणी

|| निर्विकारा निर्विकारा निर्विकारिता: अद्वैतविवरी ||

भवभावनानिरामयरूपिणी: केवलरूपिणी ||

विविक्रमेविशीधुक्तुलानयिशोगम्मग्रुि: ॥ वि
शीदनमममैकुमचलेकेकमेविड ॥ मेवाम्म
वभिृयामेहामेवादलविवविवी ॥ कलोक
लिकभिृयाकलीमधुम्लेकुविरामिवी ॥ धूट
ष्टमवनदष्टि:पिकुवेगम्नरावग्रि: ॥ षवव्ल
ग्निवलामम्रलि:ममङवार ॥ वीरकु

ठ. मं. ५

वीरभाडयवीरश्चवीरनक्षिनी ॥ लायमूलाय
मौक्तसमलायसमलायववविनी ॥ ओंठनृमठगा
कारमववभिठनृववविनी ॥ जैमङ्गीमित्रिरूप
मङ्गीत्रिः पवित्रवड ॥ मववीरमयीप्रत्रिम्न
वटेवमयीधूर्त ॥ मचमित्रिभूतमत्रिम्नचम
ज्ञलमङ्गला ॥०... ॥।।॥ त्रिपुरंमदमूरा

[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑆤𑆩𑆂 𑆥𑆫𑆩[illegible] 𑆤𑆩𑆂
𑆥𑆫𑆩[illegible]𑆂 𑇆 𑆤𑆩𑆂 𑆥𑆫𑆩[illegible] 𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ पार्वती ॥ [illegible]

[illegible] ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥